

राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचारपत्र संकल्प शक्ति

संकल्प शक्ति के बल पर आओ हम सब मिलकर भय-भूख-भ्रष्टाचार से मुक्त भारत का निर्माण करें।

पृष्ठ-8, मूल्य ₹5

डाक पंजीकरण संख्या- MP/SDLDn/0025/2026-2028



www.sankalpshakti.in

गुरुवार 10 सितम्बर से 16 सितम्बर 2026

वर्ष- 17, अंक : 33

पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम धाम पहुंचे देश के प्रतिष्ठित संत, ऋषिवर श्री शक्तिपुत्र जी महाराज से प्राप्त किया आशीर्वाद

दिव्य आरतीक्रम में हुए सम्मिलित

ऋषिवर से प्राप्त किए पावन दिशा-निर्देशन

संकल्प शक्ति। हमारी सनातन संस्कृति में संतों व आध्यात्मिक महापुरुष के मिलन को परम कल्याणकारी और समाज को नई दिशा देने वाला माना गया है। जब तपस्वी, साधक और आध्यात्मिक महापुरुष एक स्थान पर एकत्रित होते हैं, तो वहाँ का वातावरण दिव्य ऊर्जा से भर जाता है। इसी पावन परंपरा के अंतर्गत, दिनांक 06 सितम्बर 2026 को सायंकाल पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम धाम में एक ऐसा ही अलौकिक दृश्य देखने को मिला, जब देश के प्रतिष्ठित संत-महात्माओं का सिद्धाश्रम धाम की पवित्र भूमि पर पदार्पण हुआ।

दिनांक 06 सितम्बर को सायंकाल उत्तरप्रदेश से मैनपुरी, रसूलाबाद क्षेत्र के पूज्य संतों का पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम पर आगमन हुआ। आगंतुक संतों में विदुर आश्रम (रसूलाबाद) से पधारे स्वामी कुमारानंद गिरी महाराज (ब्रह्मचारी), पूज्य नागाबाबा स्वामी नारदानंद पुरी जी महाराज तथा विनायक कॉलोनी (देवर, मैनपुरी, निकट विदुर आश्रम) स्थित शिव मंदिर के संचालक एवं मुख्य पुजारी स्वामी गणेशदास जी महाराज सम्मिलित रहे। सभी संतों ने सिद्धाश्रम धाम के पवित्र और शांत वातावरण में रात्रि विश्राम किया।

अगले दिन 07 सितम्बर को

प्रातःकाल, सिद्धाश्रम धाम की अलौकिक ऊर्जा के बीच आगंतुक संत-महात्मा श्री दुर्गाचालीसा अखण्ड पाठ मंदिर में ऋषिवर सद्गुरुदेव श्री शक्तिपुत्र जी महाराज के द्वारा सम्पन्न किए जा रहे दिव्य आरतीक्रम में सम्मिलित हुए। संतों ने स्वीकार किया कि सिद्धाश्रम की प्रातःकालीन आरती में जो स्पंदन और शांति है, वह अत्यंत दुर्लभ है।

ऋषिवर से आत्मीय मुलाकात और दिशा-निर्देशन

आरतीक्रम के समापन के उपरान्त, तीनों महात्माओं ने युग चेतना पुरुष, ऋषिवर सद्गुरुदेव श्री शक्तिपुत्र जी महाराज से आत्मीय मुलाकात की और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान संतों ने ऋषिवर से नशामुक्त व स्वस्थ समाज निर्माण, गौ-रक्षा और आध्यात्मिक उन्नति के विषयों पर अमूल्य मार्गदर्शन व दिशा-निर्देशन भी प्राप्त किया।



सिद्धाश्रम की व्यवस्थाओं की भूरि-भूरि प्रशंसा

भेंटवार्ता के पश्चात् संतों ने सिद्धाश्रम धाम का चहुँओर भ्रमण और सूक्ष्मता से अवलोकन किया। उन्होंने आश्रम की गोशाला, निःशुल्क भोजन व्यवस्था,

पर्यावरण संरक्षण के लिए लगाए गए वृक्षों और यहाँ की चाक-चौबंद अनुशासन व्यवस्था को भी देखा। संतों ने इस बात पर विशेष प्रसन्नता व्यक्त की, कि इतनी बड़ी संख्या में भक्तों के आने के बावजूद आश्रम में अद्भुत स्वच्छता, शांति और

सेवाभाव देखने को मिलता है। संतों ने सिद्धाश्रम की अनूठी व्यवस्थाओं और ऋषिवर की पावन विचारधारा व संकल्पों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए सिद्धाश्रम धाम को एक सच्चा जाग्रत तीर्थस्थल बताया।

मध्यप्रदेश शराब कांड

शराब पीने से सागर ज़िले के 35 लोगों की दर्दनाक मौत, 100 से अधिक लोग अस्पतालों में भर्ती

सागर। मध्यप्रदेश के सागर ज़िले की बंडा तहसील में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से मचे कोहराम के बाद राज्य सरकार ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है। तीन आबकारी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 35 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 100 से अधिक लोग गंभीर रूप से बीमार होकर विभिन्न अस्पतालों में जीवन और मौत की लड़ाई लड़ रहे हैं।

शराब कांड की गूंज भोपाल तक पहुंचते ही आबकारी विभाग में हड़कंप मच गया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर सरकार ने लापरवाही बरतने के आरोप में सहायक आबकारी आयुक्त कीर्ति दुबे, सहायक आबकारी अधिकारी दिलीप खंडाते और आबकारी उपनिरीक्षक रोशनी उरेती को निलंबित कर दिया है। इसके अलावा, संभागीय उड़नदस्ता (फ्लाईंग स्क्वाड) प्रभारी को ज़िले से हटाकर मुख्यालय अटैच कर दिया गया है।



सूत्रों के अनुसार, प्रारम्भिक जांच में सामने आया है कि जहरीली शराब की यह खेप पड़ोसी राज्य उत्तरप्रदेश के ललितपुर से तस्करी कर लाई गई थी। पुलिस ने इस मामले में 20 आरोपियों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की है, जिनमें से 10 संदिग्धों को हिरासत में लिया जा चुका है। एहतियात के तौर पर प्रशासन ने इलाके की 07 शराब दुकानों को सील कर दिया है और शराब के सैपल जांच के लिए लैब भेजे हैं।

राष्ट्रीय हिंदी दिवस केवल भाषा का उत्सव नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान है

हर साल 14 सितंबर को हमारे देश में 'राष्ट्रीय हिंदी दिवस' मनाया जाता है। यह दिन केवल एक भाषा का उत्सव नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान, चेतना और राष्ट्रीय गौरव को याद करने का अवसर है। इसी दिन साल 1949 में संविधान सभा ने हिंदी को देश की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। तब से लेकर आज तक हिंदी ने आम जनमानस की भाषा बनकर देश को एकता के सूत्र में पिरोए रखा है।

वैश्विक पटल पर हिंदी की धमक

आज हिंदी केवल भारत की सीमाओं तक सीमित नहीं है। सूचना प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया के इस दौर में हिंदी वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ती भाषाओं में से एक बन चुकी है। दुनिया भर के सैकड़ों विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जा रही है। वैश्विक टेक कंपनियां जैसे गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और मेटा भी हिंदी के महत्त्व को समझते हुए अपने टूल्स और एआई (अक) तकनीकों को हिंदी में अपग्रेड कर रही हैं। सिनेमा, साहित्य और व्यापार के क्षेत्र में हिंदी ने अपनी एक मजबूत वैश्विक पहचान बनाई है।



व्यापार और रोजगार में असीमित अवसर

नेट क्रांति के बाद डिजिटल स्पेस में हिंदी सामग्री (कंटेंट) की मांग तेजी से बढ़ी है। आज विज्ञापन जगत, सिनेमा, ओटीटी प्लेटफॉर्म और कंटेंट क्रिएशन के क्षेत्र में हिंदी जानने वालों के लिए रोजगार के असीमित अवसर पैदा हुए हैं। आधुनिक दौर में यह 'रोजगार की भाषा' बनकर उभरी है।

चुनौतियाँ और हमारा संकल्प

इतनी उपलब्धियों के बावजूद, हिंदी के सामने व्यावहारिक स्तर पर कुछ चुनौतियाँ आज भी मौजूद हैं। उच्च शिक्षा, विशेषकर विज्ञान, चिकित्सा और तकनीकी शिक्षा में हिंदी का उपयोग अभी भी शुरुआती चरणों में है। हिंदी दिवस मनाने की सार्थकता तभी है, जब हम इसे केवल एक दिन के औपचारिक उत्सव में ही न बांध दें, अपितु इसे आगे ले जाएं। हमें अपनी दैनिक बोलचाल, कामकाज और डिजिटल संचार में हिंदी को बिना किसी हीनभावना के गर्व से अपनाना होगा। हिंदी को समृद्ध और सशक्त बनाना ही देश को आत्मनिर्भर और सांस्कृतिक रूप से सुदृढ़ बनाना है।

अटूट आस्था और त्याग का पावन पर्व 'हरतालिका तीज'



भारतीय संस्कृति में त्यौहारों का विशेष महत्त्व है, और इनमें 'हरतालिका तीज' का व्रत महिलाओं के लिए सर्वोच्च स्थान रखता है। हर साल भाद्रपद माह के शुक्लपक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व अखंड सौभाग्य, वैवाहिक सुख और अटूट निष्ठा का प्रतीक है। इस वर्ष यह पावन पर्व 14 सितंबर को बेहद पूर्ण श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा।

हरतालिका तीज का व्रत बेहद कठिन माना जाता है। इस दिन सुहागिन महिलाएं और कुंवारी कन्याएं अपने पति की दीर्घायु और सुयोग्य वर की प्राप्ति के लिए निराहार और निर्जला (बिना अन्न-जल के) व्रत रखती हैं। दिन भर कठिन नियमों का पालन करने के बाद, शाम को प्रदोष काल में भगवान् शिव और माता पार्वती की विशेष पूजा की जाती है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस व्रत की शुरुआत स्वयं माता पार्वती ने की थी। उन्होंने भगवान् शिव को पति रूप में पाने के लिए जंगलों में कठोर तपस्या की थी। 'हरतालिका' शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है— 'हरत' (हरण करना) और 'आलिका' (सखी)। पौराणिक कथा के अनुसार, माता पार्वती की सखियां उनका हरण करके घने जंगल में ले गई थीं, ताकि उनके पिता उनका विवाह उनकी इच्छा के विरुद्ध न कर दें। जंगल में ही माता पार्वती ने रेत के शिवलिंग बनाकर घोर तप किया, जिससे प्रसन्न होकर भगवान् शिव ने उन्हें पत्नी के रूप में स्वीकार किया।

सांस्कृतिक महत्त्व

यह पर्व आधुनिक समाज में प्रेम, समर्पण और पारिवारिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का संदेश देता है। व्रत के दिन महिलाएं सोलह शृंगार करती हैं, हाथों में मेहंदी रचाती हैं और पारंपरिक गीतों पर नृत्य करती हैं। रात भर जागरण कर शिव-पार्वती के भजनों से माहौल भक्तिमय हो जाता है। यह त्यौहार हमारी प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखने और नई पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ने का एक बेहद खूबसूरत माध्यम है।

14 सितम्बर से गणेशोत्सव प्रारम्भ

भाद्रपद मास के शुक्लपक्ष की चतुर्थी तिथि यानी 14 सितंबर से देश भर में दस दिवसीय 'गणेशोत्सव' का भव्य शुभारंभ होगा। 'गणपति बप्पा मोरया' के जयकारों के साथ घर-घर और बड़े-बड़े भव्य पंडालों में विघ्नहर्ता भगवान् श्री गणेश की प्रतिमाएं स्थापित की जा रही हैं। बुद्धि, समृद्धि और सौभाग्य के देवता का यह उत्सव दस दिनों तक पूरे देश को भक्ति के अनूठे रंग में सराबोर रखेगा।

ज्ञातव्य है कि सनातन धर्म में किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत भगवान् गणेश की पूजा से होती है। मान्यता है कि गणेशोत्सव के दौरान श्रद्धापूर्वक बप्पा की आराधना करने से जीवन के सभी संकट और विघ्न दूर हो जाते हैं। इन दस दिनों में भगवान् गणेश को उनकी प्रिय प्रिय वस्तुएं— मोदक, दुर्वा (दूब घास) और लाल फूल अर्पित किए जाते हैं। सुबह-



शाम होने वाली महाआरती और भजनों से पूरा वातावरण सकारात्मक ऊर्जा से भर जाता है।

आज के दौर में यह उत्सव 'इको-फ्रेंडली गणेशोत्सव' के रूप में पर्यावरण संरक्षण का बड़ा संदेश दे रहा है। लोग प्लास्टर ऑफ पेरिस की जगह मिट्टी

(शादू माटी) से बनी प्रतिमाओं और प्राकृतिक रंगों को प्राथमिकता दे रहे हैं, ताकि अनंत चतुर्दशी (23 सितंबर) को विसर्जन के समय हमारी नदियां और जलस्रोत सुरक्षित रहें। यह त्यौहार हमें सिखाता है कि हम अपनी आस्था के साथ-साथ प्रकृति का भी सम्मान करें।

सनातन संस्कारों का महापर्व है ऋषि पंचमी



गणेश चतुर्थी के ठीक अगले दिन, यानी भाद्रपद मास के शुक्लपक्ष की पंचमी तिथि को देश भर में 'ऋषि पंचमी' का व्रत और त्यौहार पारंपरिक श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष यह पावन पर्व 15 सितंबर को मनाया जा रहा है। सनातन परंपरा में यह एकमात्र ऐसा व्रत है, जिसमें किसी देवी-देवता की नहीं, बल्कि समाज को ज्ञान और मर्यादा की राह दिखाने वाले महान ऋषियों की पूजा-अर्चना की जाती है।

ऋषि पंचमी का मूल उद्देश्य ऋषियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त

करना है। हमारे ऋषियों ने अपने कठिन तप, शोध और ज्ञान के माध्यम से मानव सभ्यता को वेदों, उपनिषदों और आयुर्वेद का अमूल्य खजाना दिया। इस दिन पवित्र नदियों या सरोवरों में स्नान कर ऋषियों का तर्पण किया जाता है, जिससे मनुष्य को उनके द्वारा दिखाए गए ज्ञान के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है।

धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से यह व्रत आत्मशुद्धि, भूलवश हुए पापों के प्रायश्चित और शारीरिक शुद्धता से जुड़ा हुआ है। मान्यताओं के अनुसार, जाने-अनजाने में या दैनिक जीवन में हुए छुआछूत और रजस्वला (मासिक धर्म) के नियमों में हुई अनजानी चूकों के दोष से मुक्ति के लिए महिलाएं इस दिन विशेष रूप से व्रत रखती हैं। यह पर्व हमें सिखाता है कि आत्मिक और मानसिक शांति के लिए जीवन में स्वच्छता और अनुशासन कितना अनिवार्य है।

सात्विक जीवन का संदेश: ऋषि पंचमी का व्रत बेहद सात्विक होता है। इस दिन व्रत रखने वाले लोग हल से जोते हुए खेतों का अन्न (जैसे गेहूं, चावल) ग्रहण नहीं करते हैं। इसके बजाय, पसई धान (तिन्नी का चावल) और कंद-मूल या बिना बोई गई सब्जियों का सात्विक आहार लिया जाता है। यह नियम हमें प्रकृति के साथ सीधे जुड़ने और सादगीपूर्ण जीवन जीने का संदेश देता है। यह त्यौहार हमारी समृद्ध सांस्कृतिक और वैज्ञानिक सोच का अनूठा उदाहरण है।

भोपाल में 62 हजार से ज्यादा दुकानों की सीलिंग पर लगी रोक

भोपाल। राजधानी भोपाल के रिहायशी (आवासीय) इलाकों में चल रही व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ नगर निगम की ताबड़तोड़ सीलिंग कार्रवाई पर सरकार के दखल के बाद फिलहाल रोक लगा दी गई है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद नगर निगम ने भोपाल में 6,500 से अधिक दुकानदारों को नोटिस जारी किए थे, जिसके खिलाफ 20 अगस्त से 03 सितंबर तक 5,000 से अधिक व्यापारियों ने रोशनपुरा चौराहे पर उग्र प्रदर्शन और 'भोपाल बंद' का आह्वान किया था।

इस बड़े विवाद के बाद भोपाल में चल रही दुकानों के भविष्य को लेकर नगरीय प्रशासन विभाग और नगर निगम के वरिष्ठ



अधिकारी समाधान के लिए दिल्ली में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लगातार बैठकें कर रहे हैं। मध्यप्रदेश के नगरीय प्रशासनमंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने व्यापारियों की परेशानी को स्वीकार करते हुए आश्वासन दिया है कि सरकार मध्यम

मार्ग अपनाएगी ताकि किसी का रोजगार न छिने। मास्टर प्लान के नियमों में ढील या संशोधन के विकल्पों पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है, जिससे हजारों छोटे-बड़े व्यापारियों को बड़ी राहत मिली है।

सागर में अग्निवीर सेना भर्ती रैली 1 से 14 अक्टूबर तक



सागर। मध्यप्रदेश के युवाओं के लिए भारतीय सेना में शामिल होने का सुनहरा मौका आ गया है। सागर के इंदिरा गांधी इंजीनियरिंग कॉलेज मैदान पर आगामी 01 अक्टूबर से 14 अक्टूबर 2026 तक अग्निवीर सेना भर्ती रैली का आयोजन किया जा रहा है। जिला कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में इस मेगा भर्ती रैली की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया गया है। इस 14 दिवसीय शारीरिक दक्षता परीक्षा में ग्वालियर और सागर संभाग के 10 प्रमुख जिलों (सागर, शिवपुरी, छतरपुर, दतिया, टीकमगढ़, निवाड़ी, श्योपुर, भिंड, मुरैना और ग्वालियर) के लगभग 11,000 अभ्यर्थी शामिल होकर अपना दमखम दिखाएंगे।

इन पदों पर होगी सीधी भर्ती

सेना भर्ती कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक, इस भर्ती रैली के माध्यम से विभिन्न श्रेणियों के योग्य उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। इसमें अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर टेक्निकल, अग्निवीर ट्रेड्समैन के साथ-साथ परमानेंट कमीशन के तहत सिपाही फार्मा और सोल्जर टेक्निकल नर्सिंग असिस्टेंट के पदों के लिए शारीरिक व आवश्यक दस्तावेज परीक्षण किए जाएंगे। साथ ही वीमेन मिलिट्री पुलिस की श्रेणी भी इस भर्ती का हिस्सा रहेगी।

बिहार में नहीं रुक रही शराब तस्करी, मुजफ्फरपुर में 360 बोतलें बरामद

मुजफ्फरपुर। बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून लागू होने के बावजूद तस्कर प्रशासन को खुली चुनौती देते हुए तस्करी के नए-नए तरीके अपना रहे हैं। एम्बुलेंस, पानी के टैंकर और फलों के बाद अब शिक्षा की आड़ में शराब तस्करी का एक बेहद ही अजीबोगरीब मामला मुजफ्फरपुर जिले के भीखनपुर इलाके से सामने आया है। यहाँ तस्करों ने मोटी-मोटी कॉपियों और किताबों के बीच के पन्नों को काटकर उसमें शराब की बोतलें छिपा रखी थीं। हालांकि, उत्पाद विभाग (एक्साइज डिपार्टमेंट) की मुस्तैदी ने इस अनोखे जुगाड़ का पदार्पाश कर दिया है। मद्य निषेध विभाग के अधिकारियों



को गुप्त सूचना मिली थी कि ई-ऑटो के जरिए शराब की एक बड़ी खेप ले जाई जा रही है। इस इनपुट के आधार पर जब टीम ने भीखनपुर क्षेत्र में एक संदिग्ध ई-

ऑटो को रोककर तलाशी ली, तो उसमें छात्रों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली नोटबुक्स के लगभग 18 बंडल लदे मिले। देखने में ये बिल्कुल सामान्य

कॉपियां लग रही थीं। लेकिन जब अधिकारियों ने संदेह के आधार पर इन बंडलों को खोला, तो वे दंग रह गए। तस्करों ने कॉपियों के पन्नों को बीच से इस तरह चौकोर काटा था कि उसमें विदेशी शराब की बोतलें आसानी से फिट हो सकें।

विभाग ने मौके से कुल 360 विदेशी शराब की बोतलें बरामद की हैं और ई-ऑटो को जब्त कर लिया है। इसके साथ ही ऑटो चालक, जिसकी पहचान मोहम्मद सद्दाम अंसारी के रूप में हुई है, को गिरफ्तार कर लिया गया है और मुख्य शराब तस्कर प्रिंस की तलाश की जा रही है।

कुख्यात शिकारी शेरू पारधी ब्यौहारी से गिरफ्तार

शहडोल। मध्यप्रदेश की स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएसएफ) ने वन्यजीव तस्करी के एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को करारा झटका दिया है। टीम ने शहडोल जिले के ब्यौहारी इलाके से पिछले 1.5 साल से फरार चल रहे कुख्यात बाघ शिकारी शेरू पारधी और उसकी पत्नी बिनौरी बाई को गिरफ्तार कर लिया है।

एसटीएसएफ अधिकारियों को खुफिया सूचना मिली थी कि आरोपी किसी वन्यजीव के शिकार करने की फिराक में थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से धारदार छुरियां, चाकू, कुल्हाड़ी और पक्षी पकड़ने का अवैध जाल ज़ब्त किया है। जांच अधिकारियों के मुताबिक, इस गिरोह के तार चीन और म्यांमार जैसे देशों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय बाघ अंगों और खाल की तस्करी के रैकेट से होने की आशंका है। स्थानीय पुलिस और वन विभाग अब आरोपियों से सघन पूछताछ कर इनके पूरे नेटवर्क को खंगालने में जुटा है।

उज्जैन में 111 करोड़ की लागत से बनेगी देश की अत्याधुनिक मलखंब अकादमी

उज्जैन। महाकाल की नगरी उज्जैन के मलखंब खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों के लिए एक बेहद गौरवशाली और बड़ी सौगात सामने आई है। मध्यप्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने उज्जैन में 20 एकड़ क्षेत्र में एक भव्य और सर्वसुविधायुक्त 'मलखंब एवं जिम्नास्टिक अकादमी' स्थापित करने के प्रस्ताव को प्रशासनिक और वित्तीय मंजूरी दे दी है। खेलमंत्री विश्वास सारंग के विशेष प्रयासों से तैयार किए गए इस प्रोजेक्ट से प्रदेश की मलखंब प्रतिभाओं को अब अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं मिल सकेंगी। इसके लिए तैयार योजना के अनुसार, 20 एकड़ में 111 करोड़ की लागत से अकादमी बनेगी और इस बजट में से 86 करोड़ रुपये वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण पर और शेष 25.33 करोड़ रुपये इसके सफल संचालन तथा खिलाड़ियों की सुविधाओं पर खर्च किए जाएंगे।

लखनऊ में बनेगा उत्तरप्रदेश का पहला 'स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर'

लखनऊ। उत्तरप्रदेश के प्रतिभावान खिलाड़ियों को अब खेल के दौरान लगने वाली गंभीर चोटों के इलाज और रिहैबिलिटेशन (पुनर्वास) के लिए दिल्ली, मुंबई या अन्य राज्यों का रुख नहीं करना पड़ेगा। प्रदेश सरकार राजधानी लखनऊ में प्रदेश का पहला अत्याधुनिक 'स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर' स्थापित करने जा रही है। इस केंद्र के बनने से राज्य के एथलीटों को विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उनके अपने राज्य में ही मिल सकेंगी।



खेल विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग के संयुक्त सहयोग से बनने वाले इस सेंटर में खेल के दौरान होने वाली फ्रैक्चर, लिगामेंट टियर और मांसपेशियों की गंभीर चोटों के इलाज के लिए अत्याधुनिक मशीनें और विशेषज्ञ डॉक्टर तैनात किए जाएंगे। इसके साथ ही, खिलाड़ियों की फिटनेस को दोबारा उसी स्तर पर लाने के लिए उन्नत फिजियोथेरेपी और स्पोर्ट्स साइंस विंग भी बनाई जाएगी।

खेल विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग के संयुक्त सहयोग से बनने वाले इस सेंटर में खेल के दौरान होने वाली फ्रैक्चर, लिगामेंट टियर और मांसपेशियों की गंभीर चोटों के इलाज के लिए अत्याधुनिक मशीनें और विशेषज्ञ डॉक्टर तैनात किए जाएंगे। इसके साथ ही, खिलाड़ियों की फिटनेस को दोबारा उसी स्तर पर लाने के लिए उन्नत फिजियोथेरेपी और स्पोर्ट्स साइंस विंग भी बनाई जाएगी।

मध्यप्रदेश के 21 आयुर्वेद कॉलेजों को मिली मान्यता



भोपाल। भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग ने आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए देशभर के 289 आयुर्वेद मेडिकल कॉलेजों की आधिकारिक सूची जारी की है, जिसमें मध्यप्रदेश के 21 आयुर्वेद कॉलेज शामिल हैं। आयोग द्वारा 03 सितंबर को जारी की गई इस सूची के बाद प्रदेश में आयुर्वेद की पढ़ाई करने वाले छात्रों में खुशी की लहर है।

मिली जानकारी के मुताबिक, इस बार मान्यता प्राप्त करने वाले इन 21 संस्थानों में 05 शासकीय (सरकारी) और 16 निजी (प्राइवेट) आयुर्वेद कॉलेज शामिल हैं। जिन प्रमुख शहरों के सरकारी कॉलेजों को इस सूची में स्थान मिला है, उनमें भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन, बुरहानपुर और रीवा शामिल हैं। स्वीकृत 05 सरकारी कॉलेजों में स्नातक स्तर की कुल 370 सीटें उपलब्ध हैं।



चिंतन

आज्ञाचक्र को, राजाचक्र को यदि आप अपने वशीभूत कर लें, तो राजा यदि हमारा अपना बन जाए, तो राजा से जुड़े सभी चक्र अपने आप अपने बन जायेंगे। वह अपनी दिशा में स्वतः कार्य करना शुरू कर देंगे और आज्ञाचक्र के माध्यम से हम मूलाधार से सुषुम्ना नाड़ी को पूरी तरह से चैतन्य बना करके सहस्रार की ओर हमारी प्राणवायु अपने आप बढ़ना शुरू हो जायेगी और जिस क्षण हमारी प्राणवायु सहस्रार की ओर बढ़ना शुरू होजाती है, हमको तब एहसास होता है कि वास्तव में हमारे ऋषियों-मुनियों, वेद-पुराणों, शास्त्र, उपनिषदों ने जो कह रखा है, वह सब कुछ सत्य है, अन्यथा तब तक आप असत्य ही मानते रहेंगे।

ऋषिवाणी

धर्मसम्राट् युग चेतना पुरुष सद्गुरुदेव परमहंस योगीराज श्री शक्तिपुत्र जी महाराज

योग-ध्यान-साधना

शक्ति चेतना जनजागरण शिविर, सिद्धाश्रम (म.प्र.)

दिनांक- 20-10-2015

क्रमशः...

संकल्प कर लीजिएगा कि आपने आज तक जो गलतियाँ की हैं, तो आज के बाद आप नशे का सेवन नहीं करेंगे, आज के बाद आप चरित्रहीनता का जीवन नहीं जियेंगे, एक पत्नी/एक पतिव्रत धर्म का पालन करेंगे। मेरे द्वारा हरपल आपको संकल्पित कराया जाता है कि एक बार संकल्प लेने के बाद यदि आप उस संकल्प को नहीं तोड़ेंगे, तो आपके जीवन में उस कर्म के कारण होने वाले जो भी अपराध होंगे, उन सभी अपराधों से आपका गुरु आपको मुक्त करा देगा। इस जीवन की जो यात्रा मिल रही है, वह बार-बार नहीं प्राप्त हो सकेगी। समाज के पतन को कहीं-न-कहीं हमें रोकना है। समाज में जितना अनीति-अन्याय-अधर्म फैलता चला जा रहा है, उसको कहीं न

कहीं हमें रोकना ही होगा। ध्यान रहे कि यह पतन आपको बहुत ही विनाशकारी मार्ग पर ले जाकर खड़ा कर देगा, जहाँ से निकल पाने की स्थिति नहीं होगी।

नारी का सम्मान करना सीखो। यह सभी के लिए आवश्यक है। एक नारी दूसरी नारी का सम्मान करे, एक पुरुष भी नारी का सम्मान करे, क्योंकि हम नारी के बिना जीवन ही नहीं जी सकते। 'माँ'रूपी नारी, जो हमारे शरीर के अन्दर बैठी हुई है, वही हमारी शक्ति है। यदि हम अपनी शक्ति को हासिल करना चाहते हैं, तो भौतिक जगत् में भी नारियों का सम्मान करना पड़ेगा, क्योंकि जिस स्थूल शरीर का हम उपयोग कर रहे हैं, यह उन्हीं के गर्भ से उत्पन्न हुआ है। विचारात्मक जीवन जियो और हर बात पर नारियों पर दोषारोपण मत करो। अनेक लोग कहते हैं कि गुरु

जी, जिस दिन से हमारी शादी हुई, उसी दिन से हमारे घर में समस्याएं खड़ी होगईं और पूरा दोष पत्नी पर डाल देंगे! अपने दोष, अपने माता-पिता के दोष, अपने भाई-बहन के दोषों को एक कोने में समेट देंगे, चाहे दस लोगों का परिवार हो और बस जिस दिन से पत्नी आई, समस्याएं खड़ी होगईं! अरे, पत्नी कभी समस्याएं खड़ी नहीं करती है, पत्नी हरपल सहयोगी करती है। दूसरे घर से आकर आपके परिवार में सहयोगी बनती है, उसे दोष मत दो। इससे बड़ा दूसरा अपराध नहीं हो सकता है। हर बात पर उसे दोषी ठहरा दिया जाता है। कोई बारात आ रही हो और रास्ते पर एक्सीडेंट होजाए, तो लड़की पर दोष लगा दिया जाता है कि लड़की ने ऐसे कर्म किए होंगे, जिससे दुर्घटना में वर की मौत हो गई! अरे, वर की मृत्यु होगई उसके अपने कुसंस्कारों

से, उसके माता-पिता के कुसंस्कारों से, उसके परिवार के कुसंस्कारों से। इसमें लड़की का क्या दोष है? ऐसे में माता-पिता को चयन करके किसी दूसरी जगह शादी कर देना चाहिए, मगर माता-पिता भी अपनी लड़की को दोष देना शुरू कर देते हैं!

इस पुरुषप्रधान समाज ने नारियों को बिल्कुल नीचे गिराकर रख दिया है तथा जहाँ पर भी देखो, नारियों को पीछे रखने का प्रयास किया जाता है। हर बात में नारियों को दोष देते हैं। नारियों को भी समानता के भाव से लेकर चलो। यदि तुम बाहर कार्य करते हो, तो नारी भी घर के अनेक कार्यों को करती है, जिस कार्य की तुलना किसी भी दूसरे कार्य से नहीं की जा सकती है।

शेष अगले अंक में...

संकलन
पूजा शुक्ला

सागर शराब कांड: भगवती मानव कल्याण संगठन ने कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम सह शोक स्मरणपत्र (ज्ञापन) सौंपा

सागर। सागर ज़िले की बंडा विधानसभा क्षेत्र में बिक रही ज़हरीली शराब से हुई मौतों को लेकर भगवती मानव कल्याण संगठन, शाखा सागर ने दिनांक 08 सितम्बर को मुख्यमंत्री के नाम सह शोक स्मरणपत्र (ज्ञापन) कलेक्टर को सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से बताया गया है कि लाइसेंसी दुकानों से गांव-गांव ज़हरीली शराब भेजी जा रही है, जिसके सेवन से लोगों की दर्दनाक मौत हो रही है और सैकड़ों लोग बीमार होकर विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं।

गौरतलब है कि 07 सितंबर को सानौधा थाना क्षेत्र में कार्यकर्ताओं ने एक पेटी ज़हरीली शराब ज़ब्त करवाकर इसकी जानकारी आबकारी विभाग को थी, लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया गया।



संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने मांग की है कि मृतक परिवारों को 25-25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाए।

परिजनों का एक साल तक निःशुल्क इलाज हो। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की भूमिका की जांच हो। दोषी अधिकारियों को बर्खास्त किया जाए। दोषी पुलिसकर्मियों व आबकारी अधिकारियों को बर्खास्त किया जाए। सागर कलेक्टर व एसपी को तत्काल हटाया जाए। सागर संभाग की सभी लाइसेंसी शराब दुकानें स्थाई रूप से बंद हों, और इस शराब कांड को सीबीआई जांच के दायरे में लाया जाए।

संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि 15 दिवस के भीतर दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो पीड़ित परिवारों और आम जनमानस के साथ चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा।

नशाविरोधी जनान्दोलन

नहीं रुक रहा शराब का अवैध कारोबार

अवैध शराब पकड़कर ज़ब्त करवाने में भगवती मानव कल्याण संगठन एवं भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के कार्यकर्ताओं की भूमिका सराहनीय



दमोह ज़िले के बटियागढ़ थानान्तर्गत बकायन गांव में पकड़ी गई शराब



दमोह ज़िले के देहात थानान्तर्गत इमलाई फैक्ट्री के पास पकड़ी गई शराब



दमोह ज़िले के हिण्डोरिया थानान्तर्गत जागेश्वर मंदिर के पीछे बांदकपुर में पकड़ी गई शराब



दमोह ज़िले के बटियागढ़ थानान्तर्गत घूघरा गांव में पकड़ी गई शराब



सागर ज़िले के रहली थानान्तर्गत सागर रोड, दीपक होटल के पास पकड़ी गई शराब



दमोह ज़िले के तारादेही थानान्तर्गत हाई स्कूल के पास तारादेही में पकड़ी गई शराब



सागर ज़िले के सानौधा थानान्तर्गत भैसवाही में पकड़ी गई शराब



दमोह ज़िले के बटियागढ़ थानान्तर्गत शिव ढाबा बटियागढ़ में पकड़ी गई शराब

संकल्प शक्ति। भगवती मानव कल्याण संगठन एवं भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के कार्यकर्ता अवैध शराब की खेपें पकड़कर पुलिस को सूचना देते हुए ज़ब्त की कार्यवाही को निरंतर अंजाम दे रहे हैं।

इसी क्रम में, दिनांक 05 सितम्बर को सुबह 11:00 बजे दमोह ज़िले के बटियागढ़ थानान्तर्गत बकायन में ग्रामवासियों के सहयोग से दो पेटी शराब पकड़ी गई। दो आरोपी मोटरसाइकिल से शराब लेजा रहे थे, जो मौके पर शराब से भरी पेटियाँ फेंककर फरार हो गए।

दिनांक 05 सितम्बर को ही रात्रि लगभग 07:30 बजे दमोह ज़िले के दमोह देहात थानान्तर्गत इमलाई फैक्ट्री के पास 50 पाव देशी प्लेन और 46 पाव देशी मसाला शराब पकड़ी गई। आरोपी पवन मुंडा और रोहित जाटव मोटरसाइकिल क्रमांक-एमपी 34, जेडडी/5955 से शराब लेजा रहे थे।

दिनांक 05 सितम्बर को रात्रि 10:00 बजे दमोह ज़िले के हिण्डोरिया थाने की बांदकपुर चौकी अन्तर्गत जागेश्वर नाथ मंदिर के पीछे, बांदकपुर में पाँच पेटी

शराब पकड़ी गई। दो आरोपी मोटरसाइकिल से शराब ले जा रहे थे, जो मौके से फरार हो गए।

दिनांक 06 सितम्बर को सायंकाल 07:00 बजे दमोह ज़िले के बटियागढ़ थाने की केरबना चौकी अंतर्गत ग्राम-घूघरा के पास तीन पेटी शराब पकड़ी गई। दो आरोपी मोटरसाइकिल से शराब लेजा रहे थे।

दिनांक 06 सितम्बर को ही रात्रि 09:00 बजे सागर ज़िले के रहली थानान्तर्गत सागर रोड, दीपक होटल के

पास तीन पेटी शराब पकड़ी गई। आरोपी मिथलेश पाल और गोलू साहू बिना नम्बर की मोटरसाइकिल से शराब लेजा रहे थे।

दिनांक 06 सितम्बर को ही रात्रि 10:00 बजे दमोह ज़िले के तारादेही थानान्तर्गत हाईस्कूल, तारादेही के पास तीन पेटी, मात्रा-150 पाव देशी प्लेन शराब पकड़ी गई। आरोपी भगवान सिंह गोंड और राहुल घोषी, बिना नम्बर की एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल से शराब लेजा रहे थे।

दिनांक 07 सितम्बर को सुबह

11:00 बजे सागर ज़िले के सानौधा थानान्तर्गत ग्राम-भैसवाही में 08 पेटी शराब पकड़ी गई। आरोपी सुरेन्द्र लोधी पुत्र रामसेवक लोधी, चारपहिया वाहन बोलरो क्रमांक-एमपी 20, टी/6966 से शराब लेजा रहा था।

दिनांक 07 सितम्बर को ही सायं 06:30 बजे दमोह ज़िले के बटियागढ़ थानान्तर्गत बटियागढ़ स्थित शिव ढाबा के पास एक पेटी शराब पकड़ी गई। एक आरोपी बिना नम्बर की मोटरसाइकिल से शराब लेजा रहा था।

लहसुन : सावन-भादों में वात और कफ रोगों को नष्ट करने वाली 'उष्ण' औषधि

सावन और भादों की झमाझम बारिश जहाँ एक ओर प्रकृति को शीतलता देती है, वहीं हमारे शरीर के भीतर 'वात' और 'कफ' का भयंकर संचय कर देती है। नमी और ठंडी हवाओं के कारण जठराग्नि मंद पड़ जाती है, जोड़ों में दर्द उभर आता है और छाती में जकड़न होने लगती है। ऐसे मौसम में जब शरीर का 'थर्मोस्टेट' गिर जाता है, तब आयुर्वेद की सबसे शक्तिशाली 'उष्ण' (गर्म) और 'तीक्ष्ण' औषधि—लहसुन (Garlic)—एक जादुई हीटर का काम करती है। यह केवल एक रसोई का मसाला नहीं, बल्कि वात और कफ रोगों को उखाड़ फेंकने वाला 'ब्रह्मास्त्र' है।



दादी माँ का अचूक प्राकृतिक नुस्खा

लहसुन का सिद्ध तेल (जोड़ों के दर्द और कान दर्द में): सावन में यदि सीलन के कारण जोड़ों में दर्द हो या ठंडी हवा से कान में दर्द उठ जाए, तो 50 ml सरसों या तिल के तेल में लहसुन की 5-6 कलियाँ (कुचलकर) और आधा चम्मच अजवाइन डालकर धीमी आंच पर तब तक गर्म करें जब तक लहसुन काला न पड़ जाए। इस तेल को छानकर कांच की शीशी में रख लें। इस 'उष्ण' तेल की मालिश से जोड़ों का दर्द और सूजन रातों-रात गायब हो जाएगी। (कान दर्द में हल्का गुनगुना करके केवल 1-2 बूंद प्रयोग करें)।



यह कैसे काम करता है? (एलीसिन और उष्ण-तीक्ष्ण विज्ञान)

लहसुन में 'एलीसिन' (Allicin) नामक एक अत्यंत शक्तिशाली सल्फर यौगिक पाया जाता है, जो इसका मुख्य औषधीय तत्व है। आयुर्वेद के अनुसार, लहसुन रस में 'कटु' (तीखा) और तासीर में अत्यंत 'उष्ण' (गर्म) होता है। जब यह शरीर में जाता है, तो इसकी भयंकर गर्मी जमे हुए कफ (Mucus) को मोम की तरह पिघला देती है। यह रक्त वाहिकाओं (Blood vessels) को चौड़ा करता है, ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाता है और आंतों में रुकी हुई 'वात' (गैस) को बाहर धकेल कर मंद पड़ी जठराग्नि को फिर से प्रज्वलित कर देता है।

जोड़ों का दर्द, भयंकर गैस और कोलेस्ट्रॉल का अचूक इलाज

मानसून में वात बढ़ने से घुटनों, कमर और जोड़ों में भयंकर दर्द (Arthritis) और अकड़न शुरू हो जाती है। लहसुन इस 'आमवात' का सबसे बड़ा काल है। यह नसों की सूजन (Inflammation)

को खत्म करता है। इसके अलावा, मंद पाचन के कारण बनने वाली गैस, सीने की जकड़न और रक्त की अशुद्धियों (बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल/Heart Blockage) को भी यह प्राकृतिक रूप से काटता है। यह फेफड़ों को नमी और फंगस से बचाता है।

उपयोग की सरल और प्रामाणिक विधि

- लहसुन को कभी भी सीधा निगलना नहीं चाहिए, क्योंकि एलीसिन तभी सक्रिय होता है जब उसे कुचला या चबाया जाए।
- सावन-भादों में सुबह खाली पेट लहसुन की 1 या 2 कलियों को छीलकर हल्का सा कुचल लें और 5 मिनट हवा में खुला छोड़ दें (इससे एलीसिन पूरी तरह बन जाता है)।
- इसे थोड़े से 'शुद्ध गाय के घी' के साथ चबाकर खाएं या हल्के गुनगुने पानी (उष्णोदक) के साथ लें। घी लहसुन की रूक्षता (Dryness) को खत्म करता है।
- जिन लोगों को कच्चा लहसुन बहुत गर्म करता है, वे इसे तवे पर हल्का सा भूनकर (Dry roast) खा सकते हैं, इससे पेट में जलन नहीं होती लेकिन इसके वातनाशक गुण बरकरार रहते हैं।

स्वास्थ्य भ्रांति और सच

• **भ्रांति (Myth):** हार्ट ब्लॉकेज और गैस खत्म करने के लिए रोज सुबह खाली पेट 4-5 कच्ची लहसुन की कलियाँ चबाकर खानी चाहिए, यह सभी के लिए हमेशा फायदेमंद है।

• **सच (Fact):** लहसुन अत्यंत 'पित्तवर्धक' (गर्मी बढ़ाने वाला) होता है। यदि 'पित्त प्रकृति' (जिन्हें जल्दी एसिडिटी, पेट में अल्सर या ब्लीडिंग होती है) वाले लोग इसे अधिक मात्रा में या कच्चा खाते हैं, तो पेट में छाले, सीने में जलन और बवासीर (Piles) की समस्या हो सकती है। इसे हमेशा शरीर की प्रकृति के अनुसार, सीमित मात्रा (1-2 कली) में और घी के साथ या भूनकर ही खाना सुरक्षित है। मानसून (वर्षा ऋतु) और सर्दियों में ही इसका सेवन सर्वश्रेष्ठ है, भयंकर गर्मियों (मई-जून) में इससे बचना चाहिए।

लौंग और दालचीनी का काढ़ा: मानसून में गले की खराश और कफ का देसी इलाज



अगस्त की झमाझम बारिश और उमस भरे वातावरण में जब अचानक ठंडी हवाएं चलती हैं, तो सबसे पहला प्रहार हमारे गले और श्वसन तंत्र (Respiratory system) पर होता है। गले में खिचखिच, सूजन, निगलने में दर्द और छाती में कफ (बलगम) का जमना मानसून की सबसे आम समस्याएं हैं। लोग तुरंत बाजार में मिलने वाले रंग-बिरंगे 'कफ

सिरप' पी लेते हैं, जो कफ को बाहर निकालने के बजाय छाती में ही सुखा देते हैं और नर्वस सिस्टम को सुस्त कर नींद (Drowsiness) पैदा करते हैं। आयुर्वेद ने इस जमे हुए कफ को पिघलाकर बाहर निकालने का जो सबसे सुरक्षित और 'उष्ण' (गर्म) अस्त्र हमारी रसोई में रखा है, वह है—'लौंग और दालचीनी का काढ़ा'।

यह कैसे काम करता है? (यूजेनॉल, सिनामाल्डिहाइड और 'उष्ण-तीक्ष्ण' विज्ञान)

लौंग में 'यूजेनॉल' (Eugenol) नामक एक अत्यंत शक्तिशाली प्राकृतिक 'एनेस्थेटिक' (दर्द निवारक) और 'एंटी-बैक्टीरियल' यौगिक होता है। वहीं, दालचीनी में 'सिनामाल्डिहाइड' पाया जाता है, जो शरीर के भीतर एक प्राकृतिक 'थर्मोजेनेसिस' (गर्मी) पैदा करता है। आयुर्वेद के अनुसार, ये दोनों मसाले 'कटु-तिक्त' (तीखे और कड़वे) रस वाले और तासीर में अत्यंत 'उष्ण' (गर्म) होते हैं। जब इनका काढ़ा (गर्म जल के साथ) पिया जाता है, तो इसकी तीक्ष्ण भाप और रस गले की सूजी हुई नसों को तुरंत सुन्न कर दर्द से राहत देते हैं। यह छाती में जमे हुए जिद्दी 'कफ' को मोम की तरह

पिघलाकर मल और खांसी के रास्ते बाहर निकाल फेंकते हैं।

गले की सूजन, कफ वाली खांसी और सुस्त पाचन का अचूक इलाज

मानसून में भीगने या दूषित पानी पीने से जब गले में 'टॉन्सिल्स' सूज जाते हैं या भयंकर कफ वाली खांसी शुरू हो जाती है, तो यह काढ़ा एक जादुई एंटीबायोटिक का काम करता है। यह केवल गले को ही साफ नहीं करता, बल्कि सावन-भादों में मंद पड़ी 'जठराग्नि' (पाचन अग्नि) को भी भड़काकर अपच और गैस को नष्ट करता है। यह मानसून के वायरस को शरीर में टिकने नहीं देता और रक्त संचार को दुरुस्त कर शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता (Immunity) को फौलाद बना देता है।

12-13 सितम्बर को भारत मंडपम में 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन, सुरक्षा के लिए 11 सितम्बर को बंद रहेंगे सरकारी दफ्तर

नई दिल्ली। देश की राजधानी नई दिल्ली आगामी 12 और 13 सितम्बर को 18वें ब्रिक्स लीडर्स समिट की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। प्रगति मैदान के अत्याधुनिक 'भारत मंडपम' कन्वेंशन सेंटर में होने वाले इस महासम्मेलन में दुनिया भर के शीर्ष वैश्विक नेता, राष्ट्राध्यक्ष और व्यापारिक प्रतिनिधि शामिल होंगे।

11 को दिल्ली में सार्वजनिक अवकाश

विदेशी प्रतिनिधिमंडलों की सुचारु आवाजाही, सख्त सुरक्षा घेरे और आवश्यक रसद व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। शिखर सम्मेलन से ठीक एक दिन पहले, यानी शुक्रवार 11 सितम्बर को



दिल्ली और नई दिल्ली क्षेत्र के सभी केंद्रीय व राज्य सरकार के कार्यालय, स्वायत्त निकाय, सार्वजनिक उपक्रम और शिक्षण संस्थान पूरी तरह बंद रहेंगे। कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, यह निर्णय इस वैश्विक

आयोजन की व्यापकता को देखते हुए और आम जनता को होने वाली असुविधा को कम करने के लिए लिया गया है। चूंकि इसके बाद शनिवार और रविवार का सप्ताहांत है, इसलिए राजधानी में लगातार तीन दिनों का अवकाश रहेगा।

इसरो ने लॉन्च किया अत्याधुनिक अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट 'एडर-05'

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने दिनांक 04 सितम्बर, दिन-शुक्रवार की सुबह एक बार फिर इतिहास रचते हुए अपने अत्याधुनिक अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट एडर-05 को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष की निर्धारित कक्षा में स्थापित कर दिया। आंध्रप्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरने वाले इसरो के भरोसेमंद लॉन्च व्हीकल ने इस मिशन को पूरी सटीकता के साथ अंजाम दिया।

इस कामयाबी पर देश भर में जश्न का माहौल है। केंद्रीय अंतरिक्ष राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने इसरो प्रमुख और वैज्ञानिकों की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि, ईओएस-05 सैटेलाइट की कामयाब लॉन्चिंग भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक मील का पत्थर है, जो पृथ्वी की निगरानी और डेटा विश्लेषण में हमारी आत्मनिर्भरता को और मजबूत करेगी।

क्या हैं एडर-05 सैटेलाइट की खूबियां?

यह नया उपग्रह 'एडवांस्ड ऑप्टिकल रिमोट सेंसिंग' पेलोड से लैस है, जो बेहद खराब मौसम और बादलों के बीच भी पृथ्वी की उच्च-गुणवत्ता वाली तस्वीरें लेने में सक्षम है। इसका मुख्य उद्देश्य देश की भौगोलिक और पर्यावरणीय गतिविधियों पर पैनी नजर रखना है। यह उपग्रह अंतरिक्ष से भारत की सीमाओं की निगरानी के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों के मानचित्रण में भी अहम भूमिका निभाएगा।

22 सितम्बर को पहली बार आमने-सामने होंगे भारत और जापान



नई दिल्ली। क्रिकेट के मैदान पर आगामी 22 सितम्बर को एक बेहद अनोखा और ऐतिहासिक मुकाबला होने जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट के इतिहास में पहली बार भारत और जापान की टीमें आमने-सामने होंगी। क्रिकेट जगत् में जहां टीम इंडिया को वैश्विक महाशक्ति माना जाता है, वहीं जापानी टीम इस खेल में अपनी शुरुआती पहचान बनाने के सफर पर है। ऐसे में दोनों देशों के बीच होने वाली यह पहली भिड़ंत खेल प्रेमियों के लिए एक बेहद दिलचस्प और यादगार अनुभव साबित होगी।

गौरतलब है कि चीन के हांगझू में आयोजित हुए एशियाई खेलों में जब भारतीय टीम ने पहली बार अपनी पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों भेजी थीं, तभी से एशियाई महाद्वीप में क्रिकेट के प्रसार को एक नई गति मिली है। जापान की टीम पिछले कुछ समय से एसीसी (एशियन क्रिकेट काउंसिल) के चैलेंजर और टी-20 क्वालिफायर मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन कर रैंकिंग में लगातार सुधार कर रही है। 22 सितम्बर को होने वाला यह मैच न सिर्फ जापान के लिए दुनिया की नंबर-1 टीम के खिलाफ खुद को परखने का एक बड़ा मंच होगा, बल्कि भारतीय क्रिकेट के लिए भी नए देशों में खेल को बढ़ावा देने का बेहतरीन जरिया बनेगा।

देशभर में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर चर्चाओं ने पकड़ा जोर, विधि आयोग इस महीने सौंप सकता है अंतिम रिपोर्ट

नई दिल्ली। देश में लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनाव एक साथ कराने यानी 'वन नेशन, वन इलेक्शन' को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में हलचल बेहद तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय विधि आयोग इस विषय पर अपनी अंतिम और बेहद महत्वपूर्ण रिपोर्ट इसी महीने सरकार को सौंप सकता है। आयोग की इस रिपोर्ट में संविधान में आवश्यक संशोधनों और एक साथ चुनाव कराने के व्यावहारिक रोडमैप का पूरा खाका तैयार किया गया है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, विधि आयोग वर्ष 2029 में पूरे देश में एक साथ



चुनाव कराने की सिफारिश कर सकता है। इसके लिए कुछ राज्यों की विधानसभाओं के कार्यकाल को कुछ महीने घटाने या बढ़ाने जैसे क़ानूनी पहलुओं पर विशेषज्ञों से राय ली जा चुकी है। सरकार का तर्क है कि इससे बार-बार चुनाव होने वाले हज़ारों करोड़ रुपये के खर्च और बार-बार लगने वाली आचार संहिता से विकास कार्यों में आने वाली रुकावटों से मुक्ति मिलेगी, जबकि विपक्षी दल इस पर संघवाद के ढांचे को लेकर चिंता व्यक्त कर रहे हैं। इस रिपोर्ट के आने के बाद संसद के आगामी सत्र में इस पर बड़ा फैसला होने की संभावना है।

भारत ने लद्दाख में बनाया पहला 'रॉक चेक डैम', पाकिस्तान का तनाव बढ़ा



नई दिल्ली/लेह। अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को स्थगित करने के बाद भारत ने सीमावर्ती इलाकों में एक बड़ा क़दम उठाया है। भारत ने लद्दाख के उपशी में सिंधु नदी पर अपना पहला 'रॉक चेक डैम' (पत्थरों का बांध) तैयार कर लिया है। बिना सीमेंट और कंक्रीट के, केवल प्राकृतिक पत्थरों से बनाया गया यह बांध भारतीय सीमाओं के भीतर सिंधु के पानी का रणनीतिक और अधिकतम उपयोग करने की दिशा में भारत की एक बड़ी नीतिगत घोषणा है।

भारत का सख्त रुख: यह निर्माण ऐसे समय में सामने आया है जब हाल ही में 31 अगस्त को द हेग स्थित स्थायी मध्यस्थता न्यायालय ने पाकिस्तान की याचिका पर भारत को संधि का पालन करने का आदेश दिया था। भारत ने मध्यस्थता अदालत के इस फैसले और उसके अधिकार क्षेत्र को पूरी तरह खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को पूरी तरह बंद नहीं करता, तब तक यह संधि निलंबित ही रहेगी। इस रॉक डैम का निर्माण यह दिखाता है कि भारत अब पाकिस्तान की ओर पानी बहने देने से पहले अपने स्थानीय समुदायों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए सक्रिय रूप से बुनियादी ढांचा तैयार कर रहा है।

देशव्यापी डिजिटल अरेस्ट सिंडिकेट पर सीबीआई का शिकंजा, 20 राज्यों में 89 ठिकानों पर छापेमारी



नई दिल्ली। ऑनलाइन फ़ॉड और डिजिटल अरेस्ट के जरिए मासूम लोगों को ठगने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोहों के खिलाफ़ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने देशव्यापी बड़ी कार्यवाही की है। एजेंसी ने 'ऑपरेशन चक्र-स्क' के तहत देश के 20 राज्यों में एक साथ 89 अलग-अलग ठिकानों पर सघन छापेमारी की। इस दौरान तकनीकी और वित्तीय डेटा खंगालते हुए गिरोह के तीन मुख्य गुर्गों को गिरफ़्तार किया गया है।

सीबीआई के मुताबिक, यह सिंडिकेट खुद को पुलिस या कस्टम अधिकारी बताकर लोगों को ऑनलाइन डराता था। हाल ही में इस गिरोह ने BIAS पिलानी के एक पीड़ित को तीन महीने तक डिजिटल अरेस्ट रखकर रु. 7.67 करोड़ की भारी-भरकम राशि वसूली थी। जांच एजेंसी अब इन ठगों के बैंक खातों और डिजिटल इनपुट्स के जरिए मास्टरमाइंड तक पहुंचने और धोखाधड़ी की रकम को फ़्रीज करने में जुटी है।

आत्मिकशक्ति जगाने के लिए माता भगवती की आराधना सबसे श्रेष्ठ मार्ग है: सौरभ द्विवेदी



लांजी (बालाघाट)। ऋषिवर सदगुरुदेव श्री शक्तिपुत्र जी महाराज के आशीर्वाद से भारती मैरिज लॉन, लांजी, जिला-बालाघाट, मध्यप्रदेश में आयोजित 24 घंटे का श्री दुर्गाचालीसा अखण्ड पाठ 'माँ'-गुरुवर की दिव्य आरती के साथ संपन्न हुआ। इस वृहद धार्मिक अनुष्ठान में भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

इस दिव्य अनुष्ठान के समापन अवसर पर भगवती मानव कल्याण संगठन के केन्द्रीय महासचिव एवं भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौरभ द्विवेदी जी ने अपने प्रखर संबोधन में कहा कि "परम पूज्य सदगुरुदेव श्री शक्तिपुत्र जी महाराज ने भगवती मानव कल्याण संगठन के सदस्यों-कार्यकर्ताओं को श्री दुर्गाचालीसा पाठ के रूप में एक

चेतनात्मक महामंत्र प्रदान किया है और इस महामंत्र को हम जन-जन तक पहुंचा रहे हैं, जिससे सभी का जीवन धर्म-अध्यात्म की सरिता और सुख-शांति से परिपूर्ण हो उठे।

आत्मिकशक्ति जगाने और समाज सुधार के लिए माता भगवती की आराधना सबसे श्रेष्ठ मार्ग है। श्री दुर्गाचालीसा रूपी इस महामंत्र का नित्य पाठ करने से आत्मकल्याण किया जा सकता है, जनकल्याण के मार्ग पर बढ़ा जा सकता है और देवी-देवताओं की कृपा प्राप्त की जा सकती है। यह चालीसा समझ में न आने वाली कठिन भाषा नहीं है, बल्कि इसमें सरलतम भावों की ऐसी प्रबलता है, जिसका पाठ करने से हमारे भाव 'माँ' के चरणों तक पहुंच जाते हैं और हमें उनकी कृपा प्राप्त होजाती है। लेकिन, 'माँ' की कृपा प्राप्त

करने के लिए सबसे पहले आपको नशामुक्त होना पड़ेगा, मांसाहारमुक्त होना पड़ेगा, चरित्रवान् जीवन अंगीकार करना पड़ेगा, पुरुषार्थी और परोपकारी बनना पड़ेगा।

सरकार के द्वारा दारू बिकवाकर समाज को नष्ट करने का काम किया जा रहा है और यदि लोग शराब पीते रहे, नशा करते रहे, तो उनका घर बरबाद होकर रह जाएगा, परिवार की सुख-शांति छिन जाएगी और आज यही हो रहा है। अतः हमें सबसे पहले नशामुक्त समाज निर्माण की ओर ध्यान देना होगा।

आप लोग अपने-अपने गांव में नशामुक्ति का अभियान चलाइए। भगवती मानव कल्याण संगठन इस अभियान को निरन्तर गति दे रहा है। समाज को नशामुक्त बनाया जा रहा है, मांसाहारमुक्त बनाया रहा है, चरित्रवान्



जीवन जीने की प्रेरणा दी जा रही है। आप लोग कोई साधारण नहीं, बल्कि विशिष्ट हैं, क्योंकि आप लोगों को सदगुरुदेव जी महाराज की पावन विचारधारा मिली हुई है।'

24 घंटे चला दिव्य अनुष्ठान

यह आध्यात्मिक आयोजन दिनांक 05 और 06 सितम्बर 2026 को आयोजित किया गया। शनिवार से शुरू हुए इस अखंड पाठ में लांजी सहित

बालाघाट जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए भक्तों ने निरन्तर 24 घंटे तक चालीसा पाठ किया। कार्यक्रम के समापन पश्चात् सभी भक्तों ने महाप्रसाद ग्रहण किया।

संगठन के स्थानीय पदाधिकारियों ने इस सफल आयोजन के लिए सभी सहयोगियों और श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया। यह आयोजन निश्चय ही सामाजिक समरसता और धार्मिक जाग्रति की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा।

